भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा जल भंडारण के प्रति सावधानी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (BBMB)** ने अपने सदस्य राज्यों को **कम जल भंडारण स्तर** और सामान्य से कम वर्षा के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए अपनी जल मांग का सावधानीपूर्वक अनुमान लगाने की सलाह दी।

- **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** का अनुमान है कि जनवरी से मार्च 2025 तक **उत्तर भारत में दीर्घकालिक औसत वर्षा से 86% कम वर्षा होगी।**

प्रमुख बिंदु

- **भाखड़ा और पोंग बाँध का स्तर:**
- **सतलुज नदी** पर बना **भाखड़ा बाँध** अपनी कुल क्षमता का 43% भर चुका है।
- **ब्यास नदी** पर स्थित **पोंग बाँध** अपनी कुल क्षमता के 30% पर है।
- **केंद्रीय जल आयोग (CWC)** के अनुसार, दोनों स्तर 10 वर्ष के औसत से नीचे हैं।
- **सदस्य राज्यों के लिये सलाह:**
- **भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (BBMB) ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान** को कम जल उपलब्धता के बारे में सूचित किया।
- BBMB ने इन राज्यों को स्थिति से निपटने के लिये अपनी जल मांग को तदनुसार समायोजित करने की सलाह दी।

भाखड़ा नांगल बाँध

- भाखड़ा बाँध **सतलुज नदी पर निर्मित एक ठोस गुरुत्वाकर्षण बाँध** है और उत्तरी भारत में **पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश** राज्यों की सीमा पर निर्मित है।
- यह टिहरी बाँध (261 मीटर) के पास **225.55 मीटर ऊँचा भारत का दूसरा सबसे ऊँचा बाँध** है।
- इसका जलाशय, जिसे **"गोबिंद सागर"** के नाम से जाना जाता है, में 9.34 बिलियन क्यूबिक मीटर जल संग्रहित है।
- **नांगल बाँध** भाखड़ा बाँध के नीचे निर्मित एक और बाँध है। कभी-कभी दोनों बाँधों को एक साथ भाखड़ा-नांगल बाँध कहा जाता है, हालाँकि ये दो अलग-अलग बाँध हैं।

पोंग बाँध

- **वर्ष 1975 में ब्यास नदी** पर पोंग बाँध बनाया गया था। इसे पोंग जलाशय या **महाराणा प्रताप सागर** भी कहा जाता है।
- **वर्ष 1983 में हिमाचल प्रदेश सरकार** द्वारा पूरे जलाशय को वन्यजीव अभयारण्य घोषित कर दिया गया।
- वर्ष 1994 में भारत सरकार ने इसे **"राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि"** घोषित किया। नवंबर 2002 में पोंग डैम झील को **रामसर साइट** घोषित किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/water-storage-caution-by-bhakra-beas-management-board